शहीदों को नमन, परेड का आयोजन

- पुलिस स्मृति दिवस पर छतरपुर में कार्यक्रम
- परेड में शहीद जवानों को दी गई सलामी

छतरपुर, 21 अक्टूबर. पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर मंगलवार को पुलिस लाइन छतरपुर स्थित शहीद स्मारक पार्क में पुलिस स्मृति परेड का आयोजन किया गया.

इस अवसर पर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में 21 अक्टूबर 1959 को चीनी सैनिकों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में 10 भारतीय पुलिस जवान शहीद हो गए थे. तभी से प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को उन वीर जवानों सहित देशभर में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए पुलिसकर्मियों की स्मृति में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है. कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने देशभर में कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नामों का वाचन कर उन्हें नमन किया. इसके बाद परेड में शहीद जवानों को सलामी दी गई और स्मृति परेड मार्च संपन्न हुआ. सभी ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी. परेड का संचालन रक्षित निरीक्षक द्वारा किया गया. कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों ने देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने की शपथ ली.

> इस अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक छतरपुर रेंज विजय कुमार खत्री, पुलिस अधीक्षक अगम जैन, राजनगर विधायक अरविंद पटेरिया, सहित अनेक पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी, जनप्रतिनिधि और एसडीईआरएफ टीम मौजूद रही.

मतदाता सूची पुनरीक्षण तिथि में संशोधन

सीहोर. राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण की तैयारी के लिए प्रक्रिया एवं समय सारणी जारी की गई है. आयोग द्वारा निर्धारित समय सारणी के तृतीय चरण की कार्यवाही में संशोधन किया गया है. जिसमें दावा आपत्ति प्राप्त करना एवं अंतिम मतदाता सूची तैयार करने का कार्य किया जाएगा. संशोधित कार्यक्रम अनुसार 24 अक्टूबर तक दावे आपत्ति प्राप्त करने की अवधि निर्धारित की गई है. इसी प्रकार दावा आपत्ति आवेदन पत्रों के निराकरण की अंतिम तिथि 4 नवंबर है. निराकृत दावा आपत्ति आवेदन पत्रों में प्रविष्टि की अंतिम तिथि 10 नवंबर, चैकलिस्ट तैयार करने की अंतिम तिथि 13 नवंबर, त्रुटि सुधार उपरांत वेण्डर को वापस करने तथा फोटोयुक्त और फोटो सहित अंतिम मतदाता सूची जनरेट करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर, वेबसाइट पर अपलोड करने की अंतिम तिथि 18 नवंबर, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध कराने की अंतिम तिथि 20 नवंबर, स्टेण्डिंग कमेटी की बैठकों के आयोजन की तिथि 22 नवंबर निर्धारित है.

होटल के कमरे में युवक ने खुद को मारी गोली

- आत्महत्या से पहले बनाया वीडियो

छतरपुर, 21 अक्टूबर. जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई. बमीठा झांसी फोरलेन पर स्थित 'हम होटल' में एक युवक ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली.

मृतक की पहचान राजेश मिश्रा (25 वर्ष) निवासी रामनगर के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, राजेश अपने बुआ के बेटे धीरेंद्र अर्जरिया की एक्सीडेंट में हुई मौत के बाद से डिप्रेशन में था. दोनों बचपन से साथ बड़े हुए थे और एक सप्ताह पहले 13 अक्टूबर को धीरेंद्र की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी. इसके बाद से राजेश मानसिक रूप से टूट गया था. मंगलवार सुबह होटल के कमरे में राजेश ने खुद को गोली मार ली. इससे पहले उसने एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें वह अपने भाई की मृत्यु का जिक्र करते हुए कहता है वो अकेला है वहां, मेरा जाना जरूरी है इंसान हो या भगवान हो, सबसे लड़ूंगा, सिर्फ महाकाल को छोड़कर. आत्मा पहले ही निकल चुकी है, अब सिर्फ शरीर बचा है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद दांगी के अनुसार, युवक का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और घटनास्थल से पिस्टल जब्त की गई है. प्रारंभिक जांच में यह मामला मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या का प्रतीत होता है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वीडियो के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

पटाखों का बारूद फटने से 6 बच्चे झुलसे

- चार की हालत गंभीर, जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

छतरपुर, 21 अक्टूबर. छतरपुर जिले के नौगांव क्षेत्र के बिलहरी सुनकर मोहल्ले में मंगलवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया. पटाखों का बारूद फटने से छह बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए.

धमाका इतना तेज था कि आसपास का इलाका दहल गया. जानकारी के अनुसार, दीपावली के बाद बचे पटाखों के बारूद को बच्चों ने प्लास्टिक के डिब्बों में इकट्ठा कर रखा था. खेलते समय किसी कारणवश बारूद में विस्फोट हो गया. धमाके की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और बच्चों को झुलसा हुआ पाया. सभी घायलों को तुरंत नौगांव अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से चार बच्चों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल छतरपुर रेफर किया गया, जबकि दो का इलाज नौगांव में जारी है. घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम गोपाल शरण पटेल और एसडीओपी अमित मेश्राम मौके पर पहुंचे. अधिकारियों ने घायलों का हालचाल जाना और घटनास्थल का निरीक्षण किया. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि हादसा पटाखों के बारूद से छेड़छाड़ के कारण हुआ. चिकित्सकों के अनुसार, सभी बच्चों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है. प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों को पटाखों और विस्फोटक सामग्री से दूर रखें. घायल बच्चे- अंश (8), अंशु (13), सागर सोनकर (13), सागर (12), कार्तिक कुशवाहा (16) और सागर (12) सभी निवासी बिलहरी, नौगांव.

शाहगंज में हर्षोल्लास से मना दीप पर्व

शाहगंज. नगर में दीपावली पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. लोगों ने दुकान एवं घरों में शाम 7:15 से रात्रि 9:15 तक शुभ मुहूर्त में सभी ने माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना की. तत्पश्चात घरों व प्रतिष्ठानों पर दीपक जलाएं एवं सभी ने आतिशबाजी चला कर दीप पर्व मनाया. पर्व के चलते घरों एवं दुकानों में आकर्षक रंगोली बनाई गई थी एवं विद्युत साज सज्जा कर घर एवं दुकानों को सजाया गया था. मंगलवार को हिंदू उत्सव समिति के तत्वाधान में अटल चौराहे पर दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि विधायक रमाकांत भार्गव थे. कार्यक्रम में बड़ी सं या में लोग उपस्थित हुए एवं सभी ने एक दूसरे को दीपावली की बधाइयां दी.

बागेश्वर धाम में सवा लाख दीपों से जगमगाया धाम

- पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कर्मचारियों को मिठाई, चांदी के सिक्के और दक्षिणा भेंट की

छतरपुर, 21 अक्टूबर. दीपावली के पावन अवसर पर छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम सरकार सवा लाख दीपों की रोशनी से जगमगा उठा.

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इस अवसर पर धाम परिसर में दीप प्रज्ज्वलित कर देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं. पर्व की शुरुआत उन्होंने गौशाला में गौ, अश्व और वाहन पूजन से की. इसके बाद उन्होंने बागेश्वर बालाजी के चरणों में दीप अर्पित किए और आतिशबाजी कर उत्सव का शुभारंभ किया. इस दौरान धाम में सेवा कर रहे सेवादारों और कर्मचारियों को मिठाई, चांदी के सिक्के और दक्षिणा भेंट की गई. देशभर से पहुंचे भक्तों ने इस पावन अवसर पर दीप जलाकर अपनी भक्ति अर्पित की. किसी ने 'राम नाम', तो किसी ने 'श्री राम जय राम' लिखकर रंगोली बनाते हुए दीप सजाए. पूरे परिसर में लगभग सवा लाख (1,25,000) दीप प्रज्ज्वलित किए गए, जिससे धाम का हर कोना दिव्य प्रकाश से आलोकित हो उठा. प्रवचन के दौरान पंडित शास्त्री ने कहा दीपावली केवल लक्ष्मी के आगमन का पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान के प्रकाश से अज्ञान के अंधकार को मिटाने का संदेश है. उन्होंने व्यंग्यपूर्ण अंदाज में कहा कि हम पटाखों से दूरी रखते हैं, क्योंकि वे फटते हैं वैसे ही हमें उन लोगों से भी दूरी रखनी चाहिए जो तुरंत फूट पड़ते हैं. उन्होंने कहा कि सच्चा दीपोत्सव वह है, जब हम मन के अंधकार को ज्ञान के प्रकाश से मिटाएं.

नर्मदा में डूबने से युवक की मौत, एक को बचाया

बुधनी 21 अक्टूबर. नर्मदा घाट पर त्योहार के मौके पर फिर एक दर्दनाक हादसा हो गया. स्नान के दौरान गहरे पानी में चले जाने से एक युवक की डूबकर मौत हो गई. जबकि दूसरे युवक को स्थानीय लोगों ने बचा लिया.

जानकारी के अनुसार भोपाल के जाटखेड़ी निवासी छह युवक नर्मदा घाट स्नान करने पहुंचे थे. इस दौरान स्नान करते समय 18 वर्षीय सूरज विश्वकर्मा पिता गोकुल प्रसाद निवासी जाटखेड़ी अपने साथियों कुलदीप, दीपक और राजेश विश्वकर्मा के साथ गहरे पानी में चला गया. देखते ही देखते सूरज और कुलदीप दोनों डूबने लगे. मौके पर मौजूद युवक वरुण मांझी, दीपक यादव और दीपक मेहरा ने पानी में छलांग लगाई और कुलदीप को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. हालांकि, सूरज को नहीं बचाया जा सका.

दीपावली पर बुझे दो नन्हें चिराग

ग्राम कचनारिया में अज्ञात कारणों से मासूम भाई-बहन की मौत

- तीन बच्चों को उल्टी होने पर डॉक्टर से कराया था इलाज
- दो बच्चों ने दम तोड़ा, तीसरे का भोपाल में जारी है उपचार

सीहोर/आष्टा 21 अक्टूबर. आष्टा तहसील के ग्राम कचनारिया निवासी अखलेश मालवीय के परिवार के लिए यह त्योहार मातम का संदेश लेकर आया. उसके दो मासूम बच्चे तबीयत खराब होने के बाद मौत की गहरी नींद में सो गए तो एक बच्चा हमीदिया अस्पताल में मौत और जिंदगी के बीच झूल रहा है.

पीएम रिपोर्ट आने के बाद बच्चों की मौत के कारणों का पता चल सकेगा. आष्टा तहसील के ग्राम कचनारिया निवासी अखलेश मालवीय रविवार को अपने तीन बच्चे आठ वर्षीय वंश, 5 वर्षीय वंशिका और डेढ़ वर्षीय को उल्टी होने पर कोठरी के एक क्लीनिक पर राजेश नामक डॉक्टर के पास इलाज कराने ले गया. अपनी दो संतानों को खोने वाले पिता अखलेश का कहना है कि डॉक्टर ने वंश और अंशिका को इंजेक्शन लगाया, वंशिका को सिरप पिलाने दी. इलाज कराने के बाद घर लौट आए. रात में बच्चों की तबियत फिर बिगड़ गई. सोमवार सुबह 5 बजे अंशिका मालवीय ने दम तोड़ दिया. उसे दफनाने के बाद वंश और वंशिका की हालत ज्यादा खराब हुई तो परिजन आष्टा अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टर ने सीहोर रेफर कर दिया. रास्ते में सुबह 11 बजे के करीब वंश की भी मौत हो गई, अभी वंशिका का भोपाल में इलाज चल रहा है. अखलेश ने रोते हुए कहा कि बेटे, बेटी को खोने का गम अब कैसे सहेंगे. पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की जांच शुरू की जाएगी.

> **प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे**
>
> इस घटना की सूचना मिलते सोमवार को आष्टा तहसीलदार राम पगारे, बीएमओ डॉक्टर अमित माथुर कचनारिया पहुंचे और परिजन से घटना की जानकारी ली. मंगलवार को कोठरी प्राथमिक स्वास्थ्य विभाग प्रभारी डॉ. बीके डोहर टीम के साथ आए और मृतक बच्चों के पिता अखलेश मालवीय से कुछ दूषित खान-पान में तो नहीं आया उसके बारे में पता किया। अखलेश ने उनको बताया कि बच्चों ने कुछ भी दूषित सामग्री का सेवन नहीं किया. टीम ने सुरक्षा की दृष्टि से आसपास के घरों का सर्वे किया, जिसमें पता किया की और कोई तो बीमार नहीं है.

अजब- गजब ग्राम लसूड़िया परिहार के मंदिर में सदियों से दीपपर्व के दूसरे दिन लगती है सांपों की अदालत

पेशी पर आए सांपों ने बताई डंसने की वजह

नवभारत न्यूज

सीहोर 21 अक्टूबर. समीप के लसूड़िया परिहार गांव में दीपावली के दूसरे दिन सदियों पुरानी परंपरा के तहत लगती है 'सांपों की अदालत'. पीड़ितों के शरीर में नागों की आत्मा आकर बताती है कि उसने क्यों डंसा. मंत्र, भरनी और कांडी की धुन पर होती है यह रहस्यमयी पेशी.

लसूड़िया परिहार गांव में दीपावली के दूसरे दिन एक ऐसा दृश्य देखने को मिलता है, जो विज्ञान को भी हैरान कर देता है. यहां सौ साल से अधिक पुरानी परंपरा सांपों की अदालत आज भी पूरी आस्था के साथ निभाई जाती है. इस अदालत में सर्पदंश से पीड़ित लोग अपने डसने का कारण जानने आते हैं और मान्यता है कि स्वयं नाग देवता मानव शरीर में प्रवेश कर डंसने की वजह बताते हैं. जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर, दीपावली के दूसरे दिन हनुमानजी की मडिया में यह अनोखी अदालत लगती है. कांडी और भरनी की धुनों पर सर्पों को बुलाया जाता है. पीड़ितों में से कुछ लोग नाग की तरह लहराने लगते हैं.बताया जाता है कि उस वक्त उनमें नागदेवता की आत्मा प्रवेश करती है. हजारों श्रद्धालु अदालत का यह दिव्य दृश्य देखने दूर-दूर से पहुंचते हैं.

मंदिर परिसर में जब ढोलक, मंजीरा और मटकी की धुन के साथ विशेष मंत्र गाए जाते हैं, तो पीड़ित व्यक्ति के शरीर में नाग आत्मा प्रवेश करती है। वह व्यक्ति नाग की तरह फन उठाकर झूमता है और उसी के माध्यम से नाग बताता है क्यों डसा. सुमित्रा बाई के शरीर में आकर सांप ने बताया कि उसे ट्रैक्टर से कुचल दिया था, इसके कारण उसने काटा.